6 माह बाद मेट्रो-3 से सफर

अधिकारियों की देखरेख में फुल स्पीड में किया जा रहा है काम

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क. मुंबई मेट्रो लाइन-3 काम तेजी सी आगे बढ़ रहा है उसे देखकर ऐसा लगता है कि यह प्रोजेक्ट अपनी मंजिल की ओर तेजी से बढ़ रहा है और अगर यही रफ्तार आगे भी जारी रही तो इसका अधिकांश काम बहुत जल्द ही पूरा हो जायेगा. अधिकारियों की देखरेख में लगातार काम फुल स्पीड में किया जा रहा है और ऐसा लगता है कि मानसून को आते देख इसमें और तेजी लाई जा रही है. एमएमआरसी के अनुसार मुंबई मेट्रो लाइन-3 का काम 82% पूरा हो गया है. 31 मई के मेट्रो-3 के प्रोग्रेस का अपडेट देते हुए एमएमआरसी ने एक संदेश जारी कर बताया कि ओवरऑल सिविल वर्क का काम 93.3%, टनल का काम 100%, ओवरऑल स्टेशन निर्माण का कार्य 90.3%, ओवरऑल सिस्टम का काम 52.1%, डिपो का काम 65.3% और मेन लाइन का काम 62.4% पूरा हुआ है. एमएमआरसी के अनुसार मेट्रो लाइन-3 के संचालन और रखरखाव का ठेका दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) को दे दिया है, जिसकी अवधि 10 साल की होगी.

DMRC के हाथों ऑपरेशन एयर मेंटीनेन्स

इसमें ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर, डिपो कंट्रोल सेंटर, स्टेशन, रनिंग ट्रेन, ट्रेनों का रखरखाव और सभी मेट्रो सिस्टम इंफ्रास्ट्रक्चर का प्रबंधन और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना शामिल है. डीएमआरसी देश की अग्रणी मेट्रो ऑपरेटिंग कंपनियों में से एक है, जिसे मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो लाइन के संचालन और रखरखाव के लिए चुना गया है. इस कोलाबा-बांद्रे-सिप्ज़ का रूट 33.5 किमी लम्बा है जिसमें 27 स्टेशन हैं.

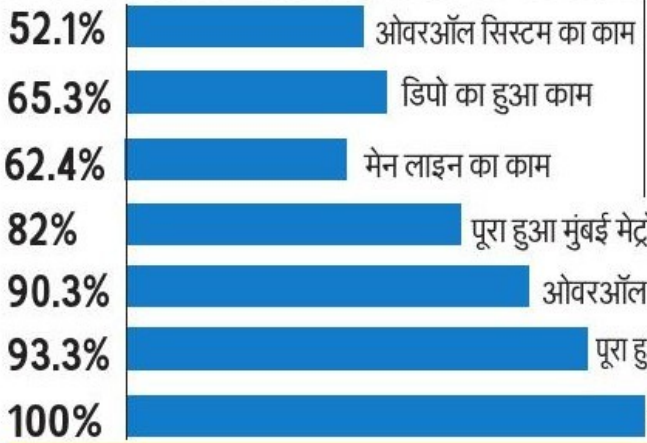

दिसंबर 2023 के अंत तक होगा पूरा

- यह मार्ग प्रमुख व्यावसायिक और रोजगार केंद्रों, अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों, धार्मिक स्थलों, मनोरंजक सुविधाओं के साथ-साथ कालबादेवी, गिरगांव, वर्ली, अंतरराष्ट्रीय और घरेलू हवाई अड्डें जैसे उपनगरीय रेल से जुड़े क्षेत्रों को कनेक्टिविटी प्रदान करेगा.
- मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पिछले हफ्ते जब मेट्रो-3 के काम का जायजा लिया था तब उन्होंने कहा था कि इस प्रोजेक्ट का लगभग 90% पूरा हो चुका है और मेट्रो रेलवे का यह चरण दिसंबर 2023 के अंत तक पूरा हो जाएगा.

मोनोरल से होगा कनेक्ट

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि परियोजनाएं समय पर पूरी हो जाएंगी. गौरतलब है कि मेट्रो-3 रूट को मेट्रो-1, 2, 6 और 9 के साथ-साथ मोनोरेल से जोड़ा गया है. इसके अलावा उपनगरीय रेल लाइन को मुंबई हवाई अड्डों के अलावा चर्चगेट और छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से जोड़ा जाएगा. अब तक मेट्रो-3 की 3 ट्रेनें मुंबई में आ चुकी हैं जबकि 2 और ट्रेनें आंध्र प्रदेश के ओस्टोम कारखाने से मुंबई के लिए रवाना हो गई हैं. इसके बाद बाकी 4 ट्रेनें हर महीने 2 बार मुंबई में प्रवेश करेंगी. 2024 तक मेट्रो-3 के 8-8 कोच वाली 31 ट्रेनों का संचालन होगा और 2041 तक मेट्रो-3 प्रतिदिन 6.65 लाख वाहनों को कम कर देगी. इस मार्ग से हर साल 2.61 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन में कमी आएगी.